आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)
सोमवार 09.02.2026
समय 07.20

मुख्य समाचार :–

- उत्तराखंड की क्रिकेट टीम पहली बार रणजी ट्रॉफी के सेमीफाइनल में पहुंची।
- देहरादून में रोड कटिंग के कार्यों में सुरक्षा मानकों के उल्लंघन पर जिला प्रशासन ने शहर में रोड कटिंग और निर्माण कार्यों की अनुमति तत्काल प्रभाव से निरस्त की।
- देहरादून के परेड मैदान में आयोजित उत्तरायणी कौथिग महोत्सव संपन्न।
- चमोली जिले के उर्गम घाटी के विभिन्न गांवों की ईष्ट देवी मां कालिंका की देवरा रथ यात्रा नौ माह का भ्रमण पूरा कर अपने मूल स्थान भर्की पहुंची।

उत्तराखण्ड क्रिकेट टीम

उत्तराखण्ड की क्रिकेट टीम पहली बार रणजी ट्रॉफी के सेमीफाइनल में पहुंची है। इस उपलब्धि पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने टीम को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि यह सफलता राज्य के खेल इतिहास में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जिससे प्रदेश के खिलाड़ियों का मनोबल और आत्मविश्वास बढ़ेगा।

मुख्यमंत्री ने इस सफलता के लिए उत्तराखण्ड क्रिकेट एसोसिएशन को भी बधाई दी और कहा कि खिलाड़ियों ने बेहतर टीमवर्क, अनुशासन और उत्कृष्ट प्रदर्शन के दम पर यह मुकाम हासिल किया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार खेलों को लगातार प्रोत्साहन दे रही है और खिलाड़ियों के लिए आधुनिक खेल सुविधाओं का विकास किया जा रहा है, ताकि प्रदेश के युवा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन कर सकें।

मुख्यमंत्री ने सेमीफाइनल मुकाबले के लिए टीम को शुभकामनाएं देते हुए उम्मीद जताई कि उत्तराखण्ड की टीम जीत हासिल कर फाइनल में पहुंचेगी और राज्य का नाम रोशन करेगी।

कड़ी कार्रवाई

देहरादून शहर में रोड कटिंग और निर्माण कार्यों के दौरान लगातार सुरक्षा मानकों के उल्लंघन को गंभीरता से लेते हुए जिला प्रशासन ने बड़ा निर्णय लिया है। जनमानस की सुरक्षा को सर्वापरि मानते हुए शहर अंतर्गत सभी रोड कटिंग एवं निर्माण कार्यों की अनुमतियां, तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दी गई हैं।

महाशिवरात्रि

महाशिवरात्रि के नजदीक आते ही हरिद्वार में शारदीय कांवड़ यात्रा के तहत श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ने लगी है। बढ़ती भीड़ को देखते हुए कांवड़ मेले को सकुशल संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं।

कांवड़ मेले की सुरक्षा व्यवस्था के तहत मेला क्षेत्र को 9 जोन और 19 सेक्टर में विभाजित किया गया है। पीएसी, आईआरबी, बीडीएस, एसडीआरएफ सहित विभिन्न पुलिस और सुरक्षा इकाइयों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। कल कमलदास कुटिया में कांवड़ मेला ड्यूटी में तैनात पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को कांवड़ मेला नोडल अधिकारी एवं एसपी सिटी अभय प्रताप सिंह ने ब्रीफ किया और मुस्तैदी के साथ ड्यूटी करने के निर्देश दिए।

उत्तरायणी कौथिक महोत्सव

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने परेड ग्राउंड, देहरादून में आयोजित चार दिवसीय उत्तरायणी कौथिक महोत्सव के समापन कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

इस अवसर पर उन्होनें कहा कि ऐसे आयोजनों के माध्यम से लोक संस्कृति को भावी पीढ़ी तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा लोक कलाकारों के संरक्षण के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे है। सरकार लोक संस्कृतिक लिपियों के प्रकाशन, आर्ट गैलरियों की स्थापना तथा साहित्य और संस्कृति के संरक्षण के लिए काम कर रही है। साथ ही स्थानिय भाषाओं और बोलियों के संरक्षण पर भी विषेश ध्यान दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि इस तरह के कार्यक्रम भविष्य में राज्य की लोक संस्कृति और परंपराओं को सहेजने में अहम भूमिका निभाएगें।

कालिंका की देवरा रथ यात्रा

चमोली जिले की उर्गम घाटी के भर्की, भेटा और पिलखी ग्वाणा गांवों की ईष्ट देवी मां कालिंका की देवरा रथ यात्रा नौ माह का भ्रमण पूरा करने के बाद अपने मूल स्थान भर्की पहुंच गई है। देवरा यात्रा के समापन के साथ ही भर्की गांव में आज से 22 फरवरी तक धार्मिक और पारंपरिक आयोजन किए जाएंगे जिसकी तैयारियां पूरी हो गई है।

वहीं, मेले की शुरुआत आज गणेश भत्ता से होगी। इसके बाद परंपरानुसार विभिन्न धार्मिक भत्तों और आयोजनों का क्रम चलेगा। ध्याणियों और न्यूतेरों के आगमन के साथ कार्यक्रम आगे बढ़ेगा और 22 फरवरी को देवी-देवताओं के अवतरण और आशीर्वाद के साथ मेले का समापन किया जाएगा।

गौरतलब है कि, मां कालिंका की देवरा यात्रा का शुभारंभ गत वर्ष 10 जुलाई को हुआ था। इस दौरान देवी ने लगभग 945 किलोमीटर की पैदल यात्रा करते हुए 98 गांवों में पहुंचकर श्रद्धालुओं को आशीर्वाद दिया। यात्रा के दौरान रुद्रनाथ, बद्रीनाथ, भविष्य बद्री, योग बद्री, वृद्ध बद्री, ध्यान बद्री, अनसूया देवी और भगवान गोपीनाथ मंदिर गोपेश्वर में देव मिलन के बाद देवी अपने मूल स्थान भर्की पहुंचीं।

राष्ट्रीय दांत दर्द दिवस

आज राष्ट्रीय दांत दर्द दिवस है। यह दिवस हर साल 9 फरवरी को मनाया जाता है जिसका उद्देश्य मौखिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना और दांत दर्द को नजरंदाज न करने के लिए प्रेरित करना है।

हल्द्वानी में प्रेक्टिस कर रहीं दंत चिकित्सक डा. काव्या खुल्बे ने आकाशवाणी से बातचीत में बताया कि एक अवलोकन अध्ययन के अनुसार करीब एक दशक पूर्व डेन्टल ओपीडी में आने वाले लगभग अस्सी प्रतिशत मरीज दांत दर्द के मर्ज से पीड़ित रहते थे। जबकि वर्तमान में यह आंकड़ा पचास प्रतिशत नीचे आया है और अब ओपीडी में आने वाले मरीजों में से केवल चालीस प्रतिशत मरीज ही दांत दर्द की समस्या से ग्रसित हैं। इस दौरान उन्होंने दांत दर्द होने के कारण और उसके निवारण पर भी प्रकाश डाला।

आयकर नियमों

सरकार ने आयकर नियमों और प्रपत्रों, 2026 के मसौदे पर जनता और हितधारकों से टिप्पणियाँ आमंत्रित की हैं। ये टिप्पणियां इस महीने की 22 तारीख तक आयकर कार्यालय के आधिकारिक पोर्टल पर भेजी जा सकती हैं। आयकर कार्यालय ने सूचित किया है कि मसौदा नियम सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध हैं। इस का उद्देश्य पारदर्शिता को बढ़ावा देना और सहभागी तथा प्रभावी नियम निर्माण प्रक्रिया सुनिश्चित करना है।